विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। –अज्ञात

राजस्थान में मंडरा रहे है सड़क हादसों के बादल: सड़क हादसों ने छिना लोगों का सुख चैन

राजस्थान में इन दिनों सड़क हादसों के बादल मंडरा रहे है। प्रदेशभर में एक के बाद एक हो रहे सड़क हादसों ने लोगों का सुख-चैन छीन लिया है। राज्य में सड़क हादसों का सिलसिला अनवरत जारी है। रविवार को फलोदी में सड़क दुर्घटना में 15 लोगों की मृत्यु के कुछ घंटे बाद ही एक अन्य सड़क दुर्घटना में 4 लोगों की मृत्यु हो गई। जयपुर के हरमाड़ा इलाके में सोमवार दोपहर हुए भीषण सड़क हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए। चार दिनों में सड़क दुर्घटनाओं में 64 लोगों की अकाल मौत हो चुकी है। माह अक्टूबर में 771 लोगों की जान गई थी। एक जानकारी के अनुसार वर्ष 2024 में करीब 25 हजार सड़क हादसे हुए जिनमें करीब 12 हजार लोगों की मौतें हुई। जबकि 2025 में अब तक 9 हजार 711 मौतें दर्ज हो चुकी हैं। बताया जा रहा है कि हरमाड़ा इलाके में एक डंपर लगभग एक किलोमीटर तक बेकाबू रास्ते पर दौड़ता रहा। इस दौरान रास्ते में जो भी वाहन या व्यक्ति सामने आया उसने उसे टक्कर मार दी। डंपर ने कई कारों और बाइकों को धक्का मारा। डंपर एक डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गया। डंपर के नीचे कई वाहन भी दब गए। बताया जाता है चालक नशे में धुत था। पुलिस ने बताया कि मेडिकल रिपोर्ट में चालक के शराब पीने की पुष्टि हो गई है। यह साफ हो गया है कि हादसा सिर्फ तेज रफ्तार का नहीं बल्कि शराब पीकर ड्राइविंग और सड़क सुरक्षा नियमों की घोर अनदेखी का मामला है। वहीं सरकार के जिम्मेदार कह रहे है ड्राइवर शराब पीकर गाड़ी चलाते हैं, जिसके कारण हादसे बढ़ रहे हैं। राजस्थान हाईकोर्ट ने भी प्रदेश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर स्वत: संज्ञान लिया है। न्यायालय ने फलोदी और जयपुर जैसे हालिया हादसों के बाद सरकार से सड़क सुरक्षा सुधार हेतु उठाए गए कदमों पर रिपोर्ट मांगी है।

राजस्थान में लगातार हो रहे सड़क हादसों को देखते हुए राज्य सरकार ने निर्णय किया है कि शराब पीकर वाहन चलाने वालों का लाइसेंस रद्द होगा। परिवहन, पुलिस और सार्वजनिक निर्माण विभाग संयुक्त रूप से प्रदेशभर में 4 नवम्बर से आगामी 15 दिन तक सड़क सुरक्षा अभियान चलाएगा। राजधानी जयपुर के हरमाड़ा क्षेत्र में हुए हादसे के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में ट्रैफिक एवं सड़क सुरक्षा को लेकर उच्च स्तरीय बैठक हुई। मुख्यमंत्री ने परिवहन और पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि शराब पीकर वाहन चलाने और ओवरस्पीड के बार-बार चालान होने पर वाहन चालक का लाइसेंस निरस्त किया जाए। उन्होंने सड़क सुरक्षा अभियान के तहत प्रदेश में चिन्हित ब्लैक स्पॉटों को शीघ्र ठीक करवाने एवं राष्ट्रीय व राज्य राजमार्गों पर अवैध कट को शीघ्र बंद करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने जयपुर-कोटा, जयपुर-दिल्ली, जयपुर-अजमेर व जयपुर-भरतपुर हाईवे पर वाहन चालकों के लिए नवीन आराम स्थलों के लिए जमीन चिन्हित कर उन्हें बनवाने के निर्देश दिए।

सभी दुर्घटनाओं के पीछे शराब मादक पदार्थों का इस्तेमाल, वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करना, वाहनों में जरुरत से अधिक भीड होना, वैध गति से अधिक तेज गाडी चलाना और थकान आदि होना है। महानगरों और नगरों में किसी चौराहे पर लाल बत्ती को धता बताकर रोड पार कर जाना, गलत तरीके से ओवरटेकिंग, बेवजह हार्न बजाना, निर्धारित लेन में न चलना और तेज गति से गाडी चलाकर ट्रैफिक कानूनों की अवहेलना आज के युवकों का प्रमुख शगल बन गया है।

सड़क सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है, आम जनता में खासतौर से नये आयु वर्ग के लोगों में अधिक जागरुकता लाने के लिये इसे शिक्षा, सामाजिक जागरुकता आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों से जोड़ा गया है। सड़क दुर्घटना, चोट और मृत्यु आज के दिनों में बहुत आम हो चला है। सड़क पर ऐसी दुर्घटनाओं की मुख्य वजह लोगों द्वारा सड़क यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा उपायों की अनदेखी है। गलत दिशा में गाड़ी चलाना, सड़क सुरक्षा नियमों और उपायों में कमी, तेज गति, नशे में गाड़ी चलाने आदि। सड़क हादसों की संख्या को घटाने के लिये उनकी सुरक्षा के लिये सभी सड़क का इस्तेमाल करने वालों के लिये सरकार ने विभिन्न प्रकार के सड़क यातायात और सड़क सुरक्षा नियम बनाये हैं। हमें उन सभी नियमों और नियंत्रकों का पालन करना चाहिये जैसे रक्षात्मक चालन की क्रिया, सुरक्षा उपायों का इस्तेमाल, गति सीमा को ठीक बनायें रखना, सड़क पर बने निशानों को समझना आदि।

जान लेवा सड़क हादसों को रोकने के लिए जरूरी है कि सड़कों की स्थिति अच्छी हो, जन कल्याणकारी सरकार का यह दायित्व है कि वह उच्च गुणवत्ता युक्त सड़कों का निर्माण करें और क्षत-विक्षत सड़कों को दुरस्त करें ताकि वाहन किसी दुर्घटना का शिकार नहीं होवे। नगर निकायों और एजेन्सियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिये। घटिया निर्माण पर तुरन्त कार्यवाही हो तथा यातायात और टैफिक की वर्तमान स्थिति में जनभावनाओं के अनुरूप सुधार हो। आम आदमी को राहत प्रदान करने के लिए निर्माण कार्यों में पारदर्शिता का होना अत्यावश्यक है।

सड़क परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार सड़क हादसों के मामले में राजस्थान देश का छठा सबसे खतरनाक राज्य बन गया है। प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं का विश्लेषण करे तो पाएंगे, बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक प्रतिदिन इसकी चपेट में आरहे है। यातायात मार्गों पर अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो रही है। दो पहिया हो या चार पहिया किसी को भी जिंदगी की परवाह नहीं है। एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ लगी है। यातायात नियमों की सरेआम धज्जियाँ उड़ रही है। नियमों की पालना नहीं होने से दुर्घटनाओं के अम्बार लग रहे है। बताया जाता है राजधानी सहित प्रदेशभर में हज़ारों चालान काटे गए फिर भी व्यवस्था में कोई सुधार परिलक्षित नहीं हुआ। सड़क दुर्घटनाओं के ठाफ में तेजी से वृद्धि हो रही है। दुर्घटनाओं में मौतें और घायल होने के समाचार प्रतिदिन पढ़ने और देखने को मिल रहे हैं। सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद देश में सड़क हादसों में कमी नहीं आई है, बल्कि साल दर साल इसमें इजाफा हो रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का कहना है जब तक समाज का सहयोग नहीं मिलेगा, मानवीय व्यवहार नहीं बदलेगा और कानून का डर नहीं होगा, तब तक सड़क हादसों पर अंकुश नहीं लगेगा।

देश में सड़कों और हाईवे की संख्या बहुत तेजी से बढ़ी है। इसी के साथ हादसों की रफ्तार भी थमने का नाम नहीं ले रही। देश में सड़क दुर्घटनाओं के ठाफ में तेजी से वृद्धि हो रही है। कोई दिन नहीं ऐसा नहीं जाता जब देश के किसी भाग में सड़क हादसा न होता हो। ऐसा लगता है जैसे सड़के आतंकी हो गयी है और हादसे थमने के नाम नहीं ले रहे है। देश में मोटर वाहन कानून 2019 लागू होने के बाद भले ही सरकार के राजस्व में वृद्धि हुई हो मगर दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों की संख्या में कमी नहीं आयी। सख्त कानून का उनपर कोई असर नहीं हुआ है।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के सड़क हादसों के आंकड़ों पर गौर करें तो पाएंगे देश में लोग जान हथेली पर लेकर चलते है। देश में सड़कों और हाईवे की संख्या बहुत तेजी से बढ़ी है। इसी के साथ हादसों की रफ्तार भी थमने का नाम नहीं ले रही। सड़क दुर्घटनाओं में पैदल चलने वाले लोग भी सुरक्षित नहीं है। इन सभी दुर्घटनाओं के पीछे शराब मादक पदार्थों का इस्तेमाल, वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करना, वाहनों में जरुरत से अधिक भीड़ होना, वैध गति से अधिक तेज गाड़ी चलाना और थकान आदि होना है। महानगरों और नगरों में किसी चौराहे पर लाल बत्ती को धता बताकर रोड पार कर जाना, गलत तरीके से ओवरटेकिंग, बेवजह हार्न बजाना, निर्धारित लेन में न चलना और तेज गति से गाड़ी चलाकर ट्रैफिक कानूनों की अवहेलना आज के युवकों का प्रमुख शगल बन गया है।

–अतिथि सम्पादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
(वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार)

दु:ख की घड़ी में भी वासुदेव देवनानी ने धैर्य, संयम, शान्ति का परिचय दिया

वासुदेव को विरह पीड़ा में छोड़ गई इन्दिरा देवनानी

दिवंगत इन्दिरा देवनानी राजस्थान विधानसभा के स्पीकर वासुदेव देवनानी को गहरी विरह पीड़ा में छोड़ गई है लेकिन इन पीड़ादायक परिस्थितियों में भी वासुदेव देवनानी ने जिस धैर्य, संयम, शान्ति, अनुशासन और गहराई का परिचय दिया तथा अपने दिल और दिमाग को कमजोर नहीं होने दिया, वह काबिले तारीफ है। मंगलवार को अपने गृह नगर अजमेर में अंतिम संस्कार से पहले उनके निवास स्थान पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इंदिरा देवनानी की पार्थिव देह पर जब पुष्प चक्र अर्पित कर रहे थे तब भी धीर-गंभीर देवनानी ने अपने घर आए मुख्यमंत्री को अपने साथ ले जा कर कुर्सी पर बिठाया और उन्हें अपनी पत्नी के अस्वस्थ होने और सवाई मानसिंह अस्पताल में उपचार तथा अन्तिम घड़ी के पूरे घटनाक्रम को बताया।

वासुदेव देवनानी ने अपने भाव विभोर परिवार विशेष कर पुत्र महेश देवनानी को इस नाजुक घड़ी में न केवल संभाला बल्कि वे जीवन की इस मुश्किल घड़ी में भी विचलित नहीं हुए। इन्दिरा देवनानी के अन्तिम संस्कार के एक-एक इंतजाम को बहुत ही बारीकी के साथ बखूबी खुद ने देखा और इस बात का ख्याल रखा कि कही कोई कमी नहीं रह जाए। 74 वर्षीय इंदिरा देवनानी ने पिछले दिनों ही वासुदेव देवनानी के साथ अपने वैवाहिक जीवन की 50वीं वर्षगांठ यानी स्वर्ण जयंती वर्ष को बहुत ही सादे ढंग से मनाया था। देवनानी ने विधानसभा में उन्हें बधाई देने आए अपने सहकर्मियों को कहा था कि अगले वर्ष इसे बड़े रूप से मनाएंगे। इंदिरा देवनानी की अन्तिम यात्रा में सभी ने महसूस किया कि धीर-क्षीर और शान्त वासुदेव देवनानी चुपचाप अपनी इस इच्छा को अपनी धर्म पत्नी की चिर स्मृति को यादगार बनाने के रूप में पूरा कर रहे है। अजमेर के लोगों ने भी अपने लोकप्रिय नेता और प्रदेश के विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी की जीवन संगिनी इंदिरा देवनानी को जिस भाव पूर्वक तरीके और नम आँखों से अंतिम विदाई दी, यह लम्बे समय तक याद किया जाएगा।

स्व. इन्दिरा देवनानी

स्वर्गीय इंदिरा देवनानी की अन्तिम यात्रा में उमड़ा जन समूह लगातार पांच बार के विधायक वासुदेव देवनानी की अपार लोकप्रियता का बयान भी रहा था। अंतिम संस्कार में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी सहित प्रदेश के अनेक मंत्रियों, अधिकारियों एवं शहर के प्रमुख लोगों ने भाग लिया और दिवंगत इन्दिरा देवनानी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान केबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर, सुरेश रावत, सुमित गोदारा, गौतम दक, ओंकार सिंह लखावत, के.के. बिश्नोई, पूर्व मंत्री सी आर चौधरी, अरुण चतुर्वेदी, विधायक शंकर सिंह रावत, गोपाल शर्मा आदि के साथ ही देवनारायण बोर्ड चेयरमेन ओमप्रकाश भडाणा, अजमेर डेयरी के चेयरमेन रामचन्द्र चौधरी, पूर्व आरटीडीसी चेयरमेन धर्मेंद्र सिंह राठौड़ सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

वासुदेव देवनानी राजनीति में आने से पहले उदयपुर के विद्याभवन इंस्टिट्यूट में प्रोफेसर थे वहीं उनकी धर्म पत्नी इन्दिरा देवनानी सरकारी स्कूल में शिक्षिका रहीं। वे समाजसेवा में भी सक्रिय भूमिका निभाती थीं। वर्ष 1974 में वासुदेव देवनानी से उनका विवाह हुआ था। वे एक पुत्र और दो पुत्रियों की माता थी। उनके निधन से न केवल उनके परिवार एवं परिजनों और समाज में वरन राजनीतिक एवं सामाजिक जगत में भी शोक की लहर व्याप्त है। इन्दिरा देवनानी का मंगलवार को उनके पैतृक नगर ऐतिहासिक अजमेर में अंतिम संस्कार किया गया। उनकी शव यात्रा रामनगर स्थित निवास से रवाना होकर पुष्कर रोड स्थित ऋषि घाटी मुक्तिधाम पहुंची, जहां उनके पुत्र महेश देवनानी ने वैदिक ऋचाओं और सनातन परंपराओं के बीच भावपूर्ण माहौल में अपनी माता को मुखाग्नि दी। इसके पूर्व उनकी पार्थिव देह रिमझिम वर्षा के मध्य जयपुर से सुबह करीब साढे आठ बजे अजमेर लाई गई, जहां परिवार एवं परिजनों और स्थानीय लोगों ने नम आँखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। उल्लेखनीय है कि सोमवार देर शाम एसएमएस अस्पताल में उपचार के दौरान इन्दिरा देवनानी का निधन हो गया था। 29 अक्टूबर को कार्डियक अरेस्ट आने पर उन्हें जयपुर के मशहूर एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी ब्रेन सर्जरी भी की गई और वे कुछ दिन वेंटिलेटर पर थीं।

इन्दिरा देवनानी के एसएमएस अस्पताल जयपुर में उपचार के दौरान स्पीकर वासुदेव देवनानी ने अपने सभी निर्धारित कार्यक्रम और यात्रा कार्यक्रम निरस्त कर दिए तथा वे अपनी धर्मपत्नी की अन्तिम सांस तक लगातार उनके सिरहाने बैठे रहे।

विपदा भरी इस घड़ी में भी उनकी संवेदनशीलता का एक और चेहरा दिखा कि जब इन्दिरा देवनानी को उनके निधन के बाद एस एम एस अस्पताल से जयपुर में स्पीकर देवनानी के सिविल लाइन्स स्थित राजकीय निवास पर लाया गया तथा प्रदेश के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े तथा राज्य के मंत्री गणों तथा सामान्य से विशिष्ट जनों द्वारा पार्थिव शरीर पर पुष्प चढ़ा और श्रद्धांजलि देने के बाद उनके जाने पर वे सारी रात जागते रहे तथा व्यवस्था में लगे अपने कर्मचारियों तथा संबंधियों को देर रात निंद आ जाने पर सर्द रात में स्वयं उन्हें अपने हाथों से चद्दर ओढ़ाते तथा दु:ख की इस घड़ी में भी हर किसी का ख्याल रखते देखें गए तथा एक क्षण के लिए विचलित नहीं हुए। मानों लगा कि उनकी आंखें पथरा गई है लेकिन आखिर उनके हृदय के भावों को आसमान से गिर रही वर्षा बूंदों ने जाहिर कर ही दिया। देवनानी की आँखों से अश्रु नहीं छलकें और वे एक क्षण के लिए भी नहीं रोए लेकिन प्रकृति उनके तथा उनके परिवार के जीवन में पैदा हुए शून्य को बयां कर रो उठीं।

लेखक-गोपेन्द्र नाथ भट्ट

पुस्तक समीक्षा: अब जब बात निकली है

यह पुस्तक हमारी वरिष्ठ साथी और सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की पूर्व अतिरिक्त निदेशक अलका सक्सेना की बत्तीस वर्ष से अधिक की जनसम्पर्क यात्रा की केवल कहानी मात्र नहीं है अपितु लेखक की सेवा यात्रा, संघर्ष और उपलब्धियों का दस्तावेज भी है। अपनी बात बेबाकी से रखने का साहस हर किसी के बस की बात नहीं होती, मगर अलका ने इसे कर दिखाया है। प्रस्तुत पुस्तक में अलका ने सच को सच कहने की हिम्मत दिखाते हुए एक ऐसी कृति हमारे हाथों में दी है जो जनसंपर्क कर्मियों की नई पीढ़ी को ही नहीं बल्कि हम सब को भी जीने की राह दिखाएगी। जनसंपर्क पर सैद्धांतिक ज्ञान की बेशक अनेक किताबें पहले से उपलब्ध हैं पर जमीनी हकीकत बताने वाली और व्यवहारिक ज्ञान देने वाली यह किताब अपने आप में अनूठी साबित होगी। अलका ने बिना किसी लाग लपेट और बिना चाशनी लपेटे सब कुछ कितना खुल कर लिखा है।

पुस्तक में अलका हमें अपने साथ अपनी पूरी राजकीय सेवा की यात्रा पर ले जाती हैं और जहाँ मिले अपने खट्टे-मीठे, अच्छे बुरे, अनुकूल प्रतिकूल सारे अनुभव क्रम दर क्रम हमसे साझा करती जाती हैं। उन्होंने अपनी इस पूरी यात्रा का बेहद संजीदगी से और सयंमित भाषा में वर्णन किया है। अपनी किताब में वे बिना किसी झिझक और डर के राजकीय व्यवस्था के प्रति अपना गुस्सा भी जाहिर करती हैं। भ्रष्टाचार

के विरुद्ध ज़ीरो टोलरेंस और महिला सशक्तिकरण का राग अलापने वाली सरकारों के प्रति भी उनके मन में जो आक्रोश उसे भी यहाँ लिखने से वे अपने आप को रोक नहीं पातीं।

यह किताब जनसम्पर्क का एक ऐसा दस्तावेज है जिसमें जनसम्पर्क क्या है, क्यों जरूरी है, कितने प्रकार का है, इसके क्या उपकरण हैं, इस क्षेत्र में काम करने वालों के लिए आने वाली चुनौतियां तथा समस्याएं और उनके निराकरण के लिए निकाले गए रास्ते, विधान सभा कवरेज, जनादेश, जनसम्पर्क और जमीनी हकीकत, सत्ता परिवर्तन और जनसम्पर्क, जनसंपर्क के क्षेत्र में महिलाओं के लिए चुनौतियां, जनसंपर्क अधिकारी की गिरती साख जैसे अनेक बिंदुओं को समेटने की कोशिश की गयी है।

लेखक ने पुस्तक में अपने पूरे जनसम्पर्क सफर की यादों को गागर में सागर की तरह भरने का सफल प्रयास किया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि वे हर दृष्टि से विलक्षण प्रतिभा की धनी हैं। वे उच्च कोटि की जनसम्पर्क कर्मी, संपादक, पत्रकार और प्रतिष्ठित संवादकर्मी के साथ हिंदी और अंग्रेजी की ज्ञाता हैं। निडरता, साहस, कार्य के प्रति समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा उनकी प्रमुख विशेषता है। आशा है यह पुस्तक सुधि पाठकों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी।

लेखक : अलका सक्सेना
प्रकाशक : साहित्यागार, जयपुर।
पृष्ठ : 315
मूल्य : 500 रूपये
समीक्षक -- वीना करमचंदानी
वरिष्ठ लेखक और
जनसम्पर्ककर्मी

बूंदी महोत्सव : धर्मगुरुओं को दिया निमंत्रण

- **सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियों के बीच, बुधवार को आयोजन समिति के सदस्यों ने शहर के प्रमुख धर्मगुरुओं से मुलाकात की।**

बूंदी। बूंदी महोत्सव 2025 के तहत आयोजित होने वाले विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियों के बीच, बुधवार को आयोजन समिति के सदस्यों ने शहर के प्रमुख धर्मगुरुओं से मुलाकात की। समिति ने धर्मगुरुओं को महोत्सव के आमंत्रण पत्र सौंपकर कार्यक्रमों में अधिकाधिक सहभागिता के लिए आग्रह किया।बूंदी महोत्सव शोभायात्रा के प्रभारी एवं उपखंड अधिकारी लक्ष्मीकांत मीणा की अगुवाई में बूंदी महोत्सव समिति के सदस्य राजकुमार दाधीच, के.सी. वर्मा और अशोक तलवास ने शहर काजी एवं कौमी एकता समिति (बूंदी) के अध्यक्ष अब्दुल शकूर कादरी से मुलाकात कर उन्हें महोत्सव का निमंत्रण पत्र भेंट किया।

इसके बाद, समिति के सदस्य गुरुद्वारा पहुंचे और वहां भी महोत्सव के आमंत्रण पत्र देकर सभी से उत्सव में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की। साथी बड़ा रामद्वारा के पिता ईश्वर आत्माराम महाराज,ईसाई धर्म के इलेक्शन, हेमकुंड गुरुद्वारा साहिब गुरु नानक दरबार सहित विभिन्न धर्म गुरुओं को आमंत्रण पत्र दिए। समिति के सदस्यों ने कहा कि बूंदी महोत्सव साझी विरासत का प्रतीक है और इसमें सभी वर्गों की भागीदारी इसे और अधिक भव्य बनाएगी।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा कल

निवाई। शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में संपूर्ण देश में आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा टोंक जिले में 96 परीक्षा केंद्रों पर 7 नवंबर को आयोजित होगी। परीक्षा के जिला संयोजक हीरालाल शर्मा ने बताया कि यह परीक्षा टोंक जिले की टोंक, पीपलू, निवाई, मालपुरा, टोडारायसिंह, देवली व उनियारा तहसीलों में 96 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी। जिसमे करीब 7 हजार विद्यार्थी भाग लेंगे। शर्मा ने बताया कि छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सहयोग हेतु परीक्षा में सामान्य ज्ञान के चयनित प्रश्नों को शामिल किया जाता है। परीक्षा में कक्षा 5 से 12 तक के विद्यार्थी शामिल होंगे। परीक्षा ओएमआर शीट के माध्यम से होगी। परीक्षा में भाग लेने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को आकर्षक प्रमाण पत्र दिया जाएगा। इस परीक्षा का उद्देश्य युवा पीढ़ी को स्व संस्कृति अनुगामी, चरित्रवान, समाजनिष्ठ, राष्ट्रिनष्ठ व स्वावलंबी बनाना है। निवाई तहसील संयोजक प्रेमप्रकाश शर्मा ने बताया कि निवाई तहसील में झिलाय, गुढा आनंदपुरा, खिडगी, सरसडी रामपुरा, वनस्थली व मूंडिया सहित कई राजकीय व निजी विद्यालयों के विद्यार्थी परीक्षा देंगे।

मंदिर स्थापना के बाद पहली बार हुआ धार्मिक विधान

- **नवग्रह जैन मंदिर में श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान का हवन के साथ समापन**
- **श्रद्धा और भक्ति से गूंजा परिसर**

बूंदी । गुरुनानक कॉलोनी स्थित नवग्रह दिगम्बर जैन मंदिर में चल रहा श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान बुधवार को वेद मंत्रोच्चार, हवन और शांतिपाठ के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। जैन धर्म के अष्टानिका महापर्व के प्रथम दिवस 29 अक्टूबर से आरंभ हुआ यह महाविधान पूरे नौ दिनों तक भक्तिभाव और श्रद्धा के वातावरण में चला। पूरे विधान में सौधर्म इन्द्र श्री चांदमल जैन ने मुख्य भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान मंदिर प्रांगण में सुबह से ही भजन, पूजन और विधान के विविध धार्मिक क्रम संपन्न हुए।

मंदिर समिति के सचिव सुरेश लुहाड़िया ने बताया कि मंदिर की स्थापना के बाद से यह पहला अवसर है जब इतने विशाल स्तर पर श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान का आयोजन हुआ है। समाजजनों में उत्साह और भक्ति का विशेष माहौल देखने को मिला। इस पावन अवसर पर श्रीमती कमलेश जैन, मधु कटारिया, सुमन जैन, मंजू जैन, एकता जैन, महिला मंडल अध्यक्ष चन्द्रेश छाबड़ा सहित समाज की अनेक महिलाओं एवं पुरुषों ने भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया। विधान के पूर्णयाजक चांदमल कासलीवाल एवं उनके परिवार का समाज की ओर से विशेष सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में संरक्षक कैलाश पाटनी, जिला महामंत्री राजेन्द्र छाबड़ा, प्रधुम्न पाटनी, विमल कटारिया सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में सुबह योगेन्द्र जैन, राजेन्द्र विमल वेद, राजेन्द्र छबडा एवं सुनील जैन ने भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक एवं शांतिधारा कर विधान का शुभारंभ किया।

दिगम्बर जैन मंदिर में श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान बुधवार को वेद मंत्रोच्चार के बीच सम्पन्न हुआ।

पूरे दिन मंदिर प्रांगण में भक्तिमय वातावरण रहा। हवन की पवित्र आहुति के साथ श्री सिद्धचक्र विधान का समापन हुआ और उपस्थित श्रद्धालुओं ने मंगलकामनाएं व्यक्त की ।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 6 नवम्बर, 2025

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, कृत्तिका नक्षत्र रात्रि 3:28 तक, व्यतिपात योग प्रात: 7:05 तक, कौलव करण दिन 2:55 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में 11:47 से संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-मेष, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से रात्रि 3:18 तक है। मंगल अस्त पश्चिम रात्रि 11:50 पर होगा। आज पदमक योग दिन 2:52 से सूर्यास्त तक है। आज अशून्य शयन व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:05 तक, चर 10:49 से 12:10 तक, लाभ-अमृत 12:10 से 2:56 तक, शुभ 4:15 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:44, सूर्यास्त 5:37 तक

मेष

अपने आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। कार्य योजनानुसार सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है।। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात वर्तमान में चल रहा मानसिक तनाव दूर होने लगेगा।

मिथुन

आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक मामलों परेशानी हो सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों में प्रगति होगी।

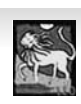

सिंह

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। संभावित धन प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

वृश्चिक

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु

परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

मकर

घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में आज उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में उचित परामर्श मिलेगा।